हुडको
hudco
A NAVRATNA CPSE

विकसित भारत के लिए वित्तपोषण

# निवेशकों की प्रस्तुति और प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं
# पहली छमाही वित्त-वर्ष26

# सामग्री की तालिका

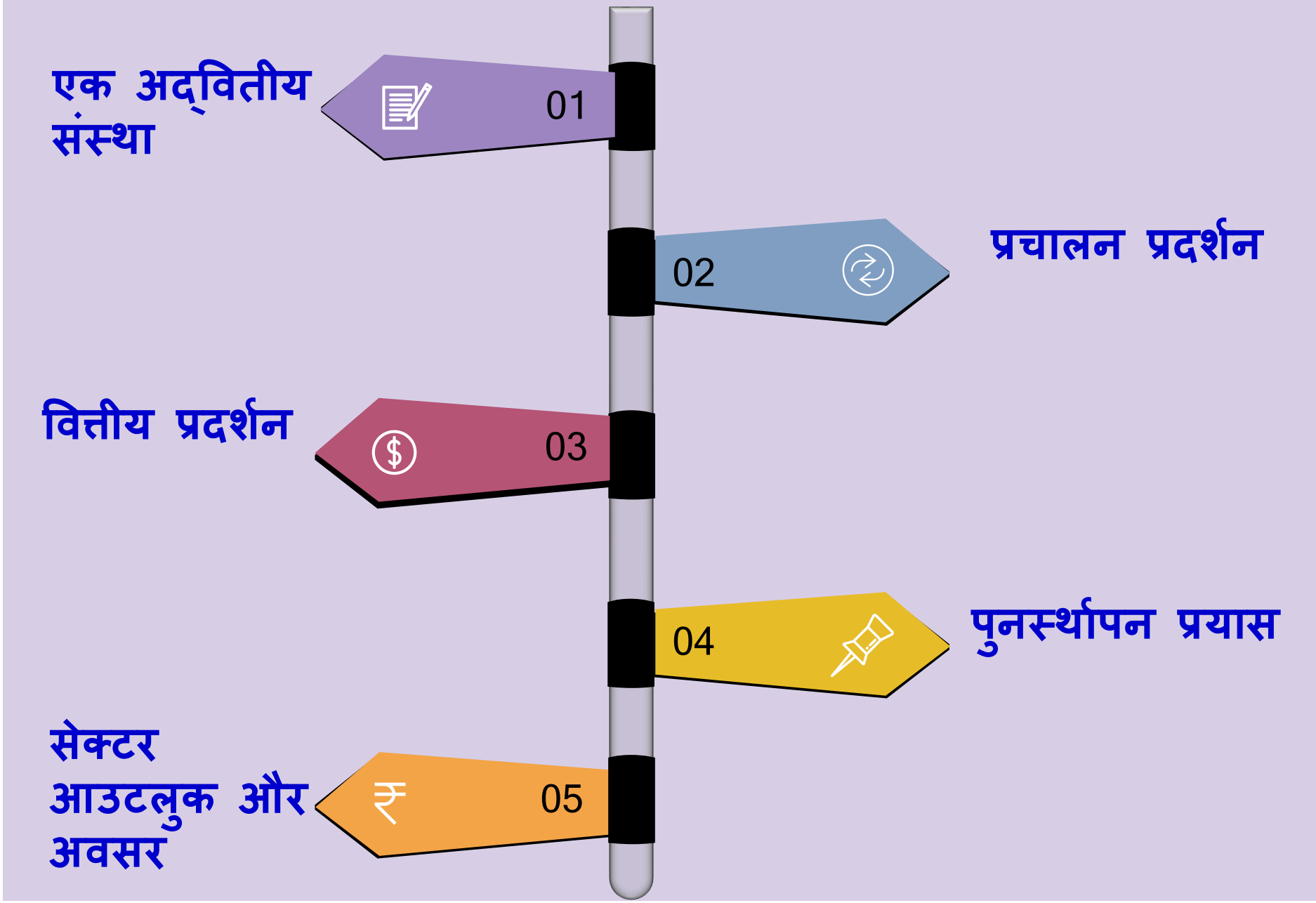
एक अद्वितीय संस्था
01
प्रचालन प्रदर्शन
02
वित्तीय प्रदर्शन
03
पुनर्स्थापन प्रयास
04
सेक्टर आउटलुक और अवसर
₹
05

# हडको - एक अद्वितीय संस्था

- टेक्नो-फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के तौर पर 5 दशक से ज़्यादा का अनुभव।
- वित्तपोषण, परामर्श प्रदान करने वाला एक सार्वजनिक वित्तीय संस्थान और क्षमता निर्माण समर्थन– आवास और इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के संपूर्ण परिदृश्य।
- राज्य सरकारों और उनकी एजेंसियों के साथ स्ट्रोंग रिलेशनशिप के साथ मल्टी सेक्टरल फोकस।
- भारत सरकार के प्रयासों में मदद करने में स्ट्रेटेजिक पार्टनर – पीएमएवाई 2.0 , स्मार्ट सिटी, अमृत, स्वच्छ भारत, जल जीवन मिशन, आदि।
- भारत सरकार की 75% ओनरशिप वाली लिस्टेड कंपनी।
- एक नवरत्न सीपीएसई जो रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के साथ एनबीएफसी-आईएफसी के तौर पर रजिस्टर्ड है।
- लगातार लाभ अर्जित करने वाली कंपनी जिसका मोटो है “सामाजिक न्याय के साथ लाभप्रदता”

# यात्रा: एचएफसी से एनबीएफसी-आईएफसी तक

## स्थापना और अग्रणी

1970-80

- 1970: विकास संस्थान के रूप में निगमित
- सार्वजनिक क्षेत्र में प्रथम HFC

## विविधीकरण

1980-90

- 1985: एचएसएमआई
- 1989: अर्बन इन्फ्रा विंडो

1990-00

## उन्नत अधिदेश– सरकारी मान्यता

- 2MHP में अहम भूमिका
- टॉप 10 PSUs को PM का अवॉर्ड

## मिनीरत्न मान्यता

2000-10

- प्राधिकरण पूंजी-₹2,500 करोड़
- 2002: अनुसूची-ए
- 2004: मिनीरत्न-I

2010-20

## बेहतर बाजार स्थिति

- क्रेडिट रेटिंग : "AAA"
- पब्लिक इश्यू: टैक्स फ्री बॉन्ड
- आईपीओ, लिस्टिंग

2020 के बाद

## सफलता और धन सृजन

- नवरत्न और एनबीएफसी आईएफसी
- घातीय वृद्धि
- SHs में भारी वापसी
- 54 ईसी बांड और जेडसीबी

# पैन- इंडिया उपस्थिति

- कॉर्पोरेट / रजिस्टर्ड ऑफिस : नई दिल्ली
- 20 क्षेत्रीय कार्यालयों और 11 विकास कार्यालयों के माध्यम से बहुक्षेत्रीय फोकस
- प्रशिक्षण और अनुसंधान शाखा –ह्यूमन सैटलमेंट मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट (HSMI) नई दिल्ली
- कर्मचारियों की संख्या (सितंबर, 2025 तक)- 596

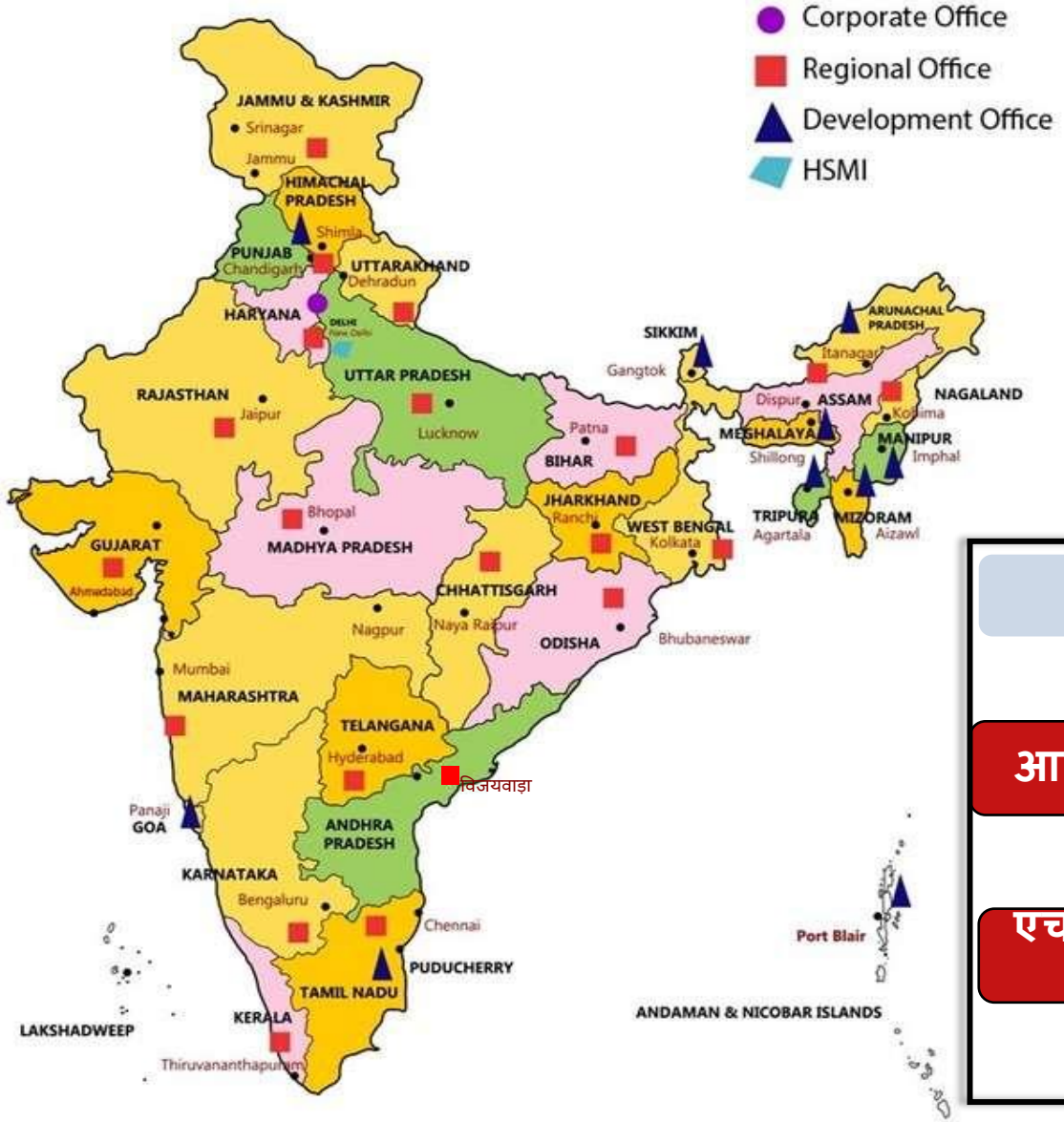


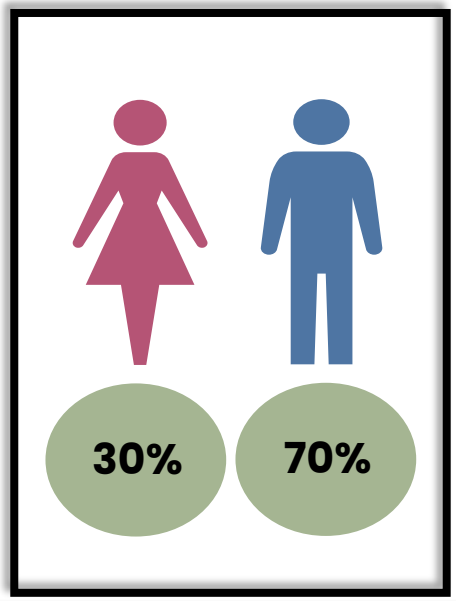


## पेशेवरों का विविध समूह

- वित्त
- आर्किटेक्ट्स
- इंजीनियर्स
- अर्थशास्त्री
- एचआर और आईटी
- कानूनी
- नगर नियोजक

*(सक्षम करना - बिज़नेस डायवर्सिफिकेशन, बेहतर ब्रांड पहचान, राज्य सरकारों के साथ मजबूत पार्टनरशिप और इन्वेस्टर आउटरीच)*

# प्रमुख क्षमतायें

पैन-इंडिया उपस्थिति, राज्यों के साथ मज़बूत संबंध

भारत सरकार की अलग-अलग स्कीम – पीएमएवाई, जेजेएम आदि में मुख्य भूमिका।

स्ट्रोंग एसेट क्वालिटी - सबसे कम एनपीए और हाई प्रोविजन कवरेज रेश्यो

मजबूत वित्तीय अनुपात

उच्चतम क्रेडिट रेटिंग: घरेलू-एएए अंतर्राष्ट्रीय-संप्रभु

वन स्टॉप सॉल्यूशन- फाइनेंसिंग, कंसल्टेंसी और कैपेसिटी बिल्डिंग

# सतत संपत्ति निर्माण के लिए 360 ° साझेदारी

## वित्तपोषण

- किफायती आवास
- इन्फ्रास्ट्रक्चर:
  - सामाजिक इन्फ्रा - अस्पताल, सरकार भवन , जल आपूर्ति ;
  - वाणिज्यिक इन्फ्रा - सड़क, राजमार्ग, शहरी गतिशीलता, बंदरगाह, ऊर्जा
- भूमि अधिग्रहण

## भारत सरकार की योजनाएँ

- समकक्ष अनुदान
- पीएमएवाई- शहरी और ग्रामीण
- स्मार्ट सिटी
- अमृत
- स्वच्छ भारत मिशन
- जल जीवन मिशन

## कंसल्टेंसी

- वास्तु
- शहरी & स्थानीय योजना
- मूल्यांकन & निगरानी
- संपत्ति मुद्रीकरण
- पर्यावरण अध्ययन

## क्षमता निर्माण

- पेशेवरों का प्रशिक्षण / इन-हाउस कर्मचारी
- घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रोगाम
- शहरी क्षेत्रों में अनुसंधान समर्थन।



उधार लेने वाले भागीदार: केंद्र/राज्य सरकारें, राज्य की सार्वजनिक एजेंसियां, यूएलबी और विशेष संस्थाएं

# हडको में ईएसजी – एक सतत भविष्य का निर्माण

- RE और नेट ज़ीरो के लिए लगभग ₹ 15,000 करोड़ का सतत ऋण
- सैनिटेशन इंफ्रा-ड्रेनेज, सीवरेज वगैरह को सपोर्ट।
- संचालन का कम पर्यावरणीय प्रभाव
- सतत अपशिष्ट प्रबंधन
- पेपरलेस सॉल्यूशन के ज़रिए प्रोसेस को आसान बनाना
- पारंपरिक ऑफिस फ्लीट का धीरे-धीरे Evs में बदलना

- प्रभावशाली सीएसआर - ₹ 52.72 Cr खर्च (वित्त वर्ष25)
- किफायती आवास वित्त
- कर्मचारी सुरक्षा, वेतन समानता और शिकायत निवारण
- कार्यबल विविधता – 30% महिलाएं
- एमएसएमई से पर्याप्त खरीद
- मानवाधिकार और POSH पर कोई शिकायत नहीं
- 44 CTU को अपनाया गया: स्वच्छता ही सेवा
- विकलांग लोगों के लिए समावेशिता

- स्वतंत्र और स्वस्थ बोर्ड संरचना
- बोर्ड में महिलाओं का प्रतिनिधित्व: 12.50%
- डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा
- बोर्ड द्वारा अनुमोदित ESG नीति
- अनुभवी नेतृत्व
- 70.85% कर्मचारी प्रशिक्षण कवरेज
- हितधारक जुड़ाव
- पारदर्शी और आईटी संचालित संचालन

| ईएसजी रेटिंग | SUSTAINALYTICS | 18.2 (कम जोखिम) | Crisil ESG Ratings & Analytics | 54 (पर्याप्त) | NSE Sustainability Ratings & Analytics | 50 (स्थिर) |
|---|---|---|---|---|---|---|

ईएसजी रिपोर्ट 2024-25

# अत्यधिक क्रेडिट रेटिंग (कैपिटल गेन टैक्स छूट बॉन्ड सहित)

## घरेलू - एएए

India Ratings & Research
इंड एएए (स्थिर)

ICRA
एएए (स्थिर)

CARE Ratings
एएए (स्थिर)

## अंतर्राष्ट्रीय - संप्रभु

JCR
Japan Credit Rating Agency, Ltd.
बीबीबी+ (स्थिर)

FitchRatings
बीबीबी- (स्थिर)

Moody's
बीएए3 (स्थिर)

- मजबूत ऋण क्षमता
- उधारकर्ताओं द्वारा विश्वसनीय

- वैश्विक वित्तीय विश्वसनीयता
- कम जोखिम वाला प्रोफ़ाइल

# 30-सितम्बर-2025 तक शेयरहोल्डर्स की संभावना

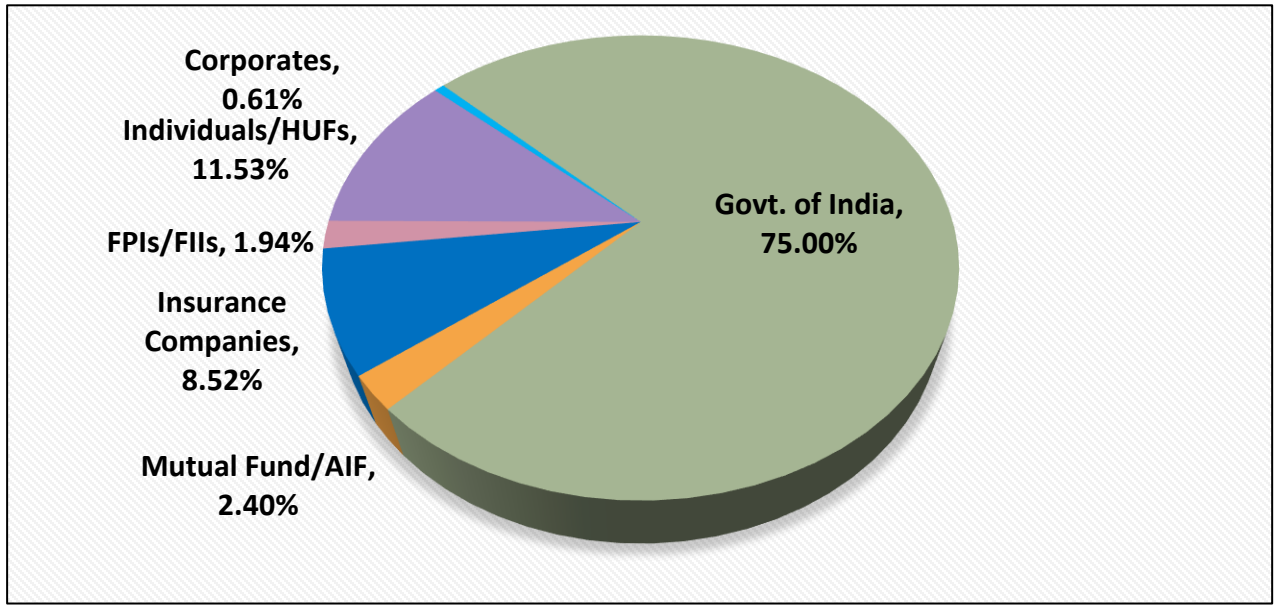


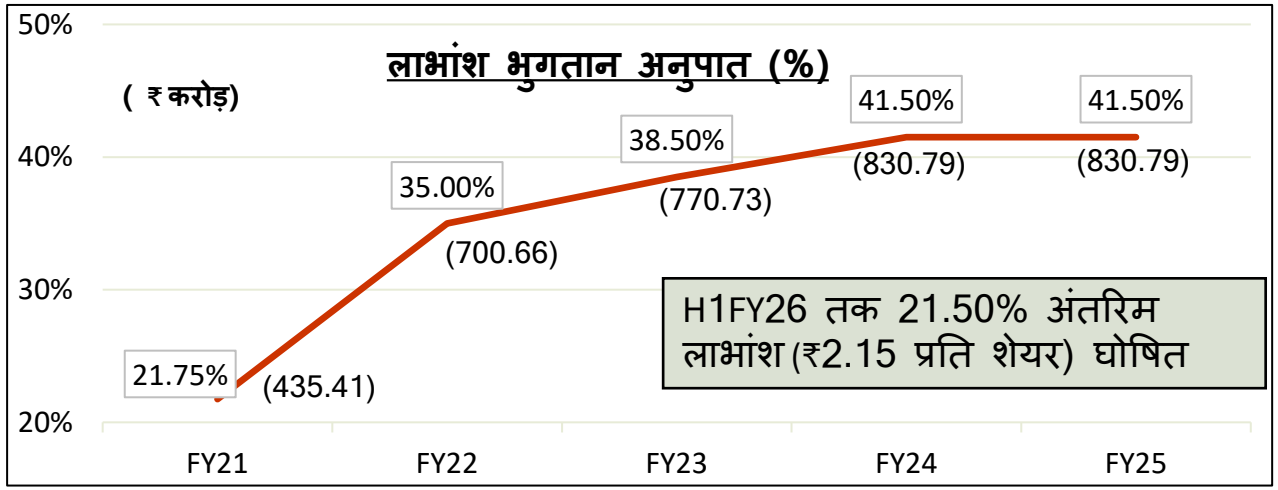


## शीर्ष 10 शेयरहोल्डर

| नाम | शेयरहोल्डिंग % |
|---|---|
| भारत सरकार | 75.00 |
| एलआईसी ऑफ इंडिया | 7.68 |
| एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड | 0.81 |
| आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड | 0.69 |
| वैनगार्ड टोटल इंटरनेशनल स्टॉक इंडेक्स फंड | 0.36 |
| वैनगार्ड इमर्जिंग मार्केट्स स्टॉक इंडेक्स फंड | 0.33 |
| सरकारी पेंशन फंड ग्लोबल | 0.27 |
| बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड | 0.23 |
| कोटक आर्बिट्रेज फंड | 0.20 |

# उभरता मार्केट कैपिटलाइज़ेशन और निवेशकों का भरोसा

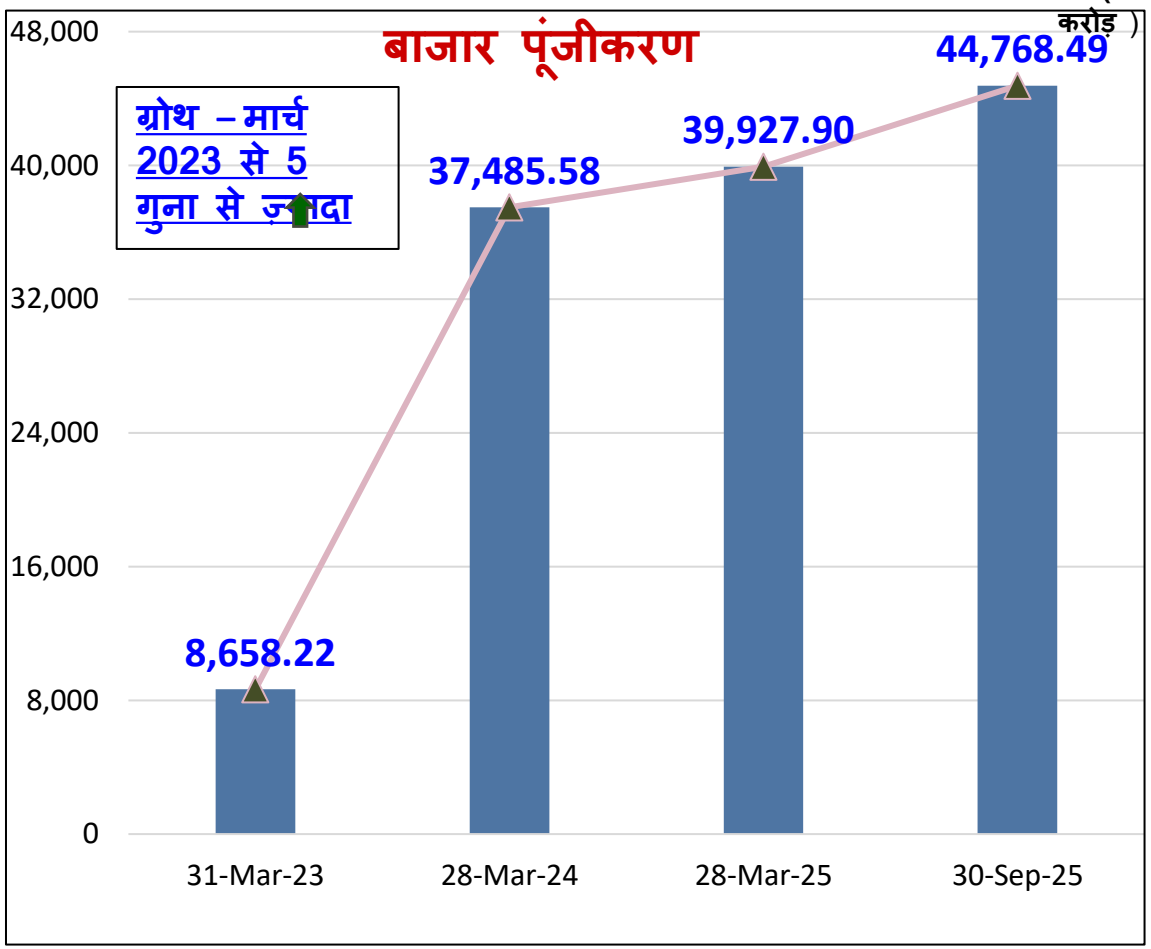


- मार्केट कैप के अनुसार टॉप 200 कंपनियों में
- हडको के शेयर डेरिवेटिव मार्केट में भी ट्रेड हुए

**प्रति शेयर आय ₹ 13.38 (वार्षिक)**

**प्रति शेयर बुक वैल्यू ₹ 90.10**

# प्रचालन प्रदर्शन

विकास प्रक्षेप पथ

ऋण पोर्टफोलियो

श्रेणीवार स्वीकृतियां

श्रेणीवार संवितरण

# बेजोड़ विकास प्रक्षेप पथ

## लोन मंज़ूरी ( करोड़ रुपये में)

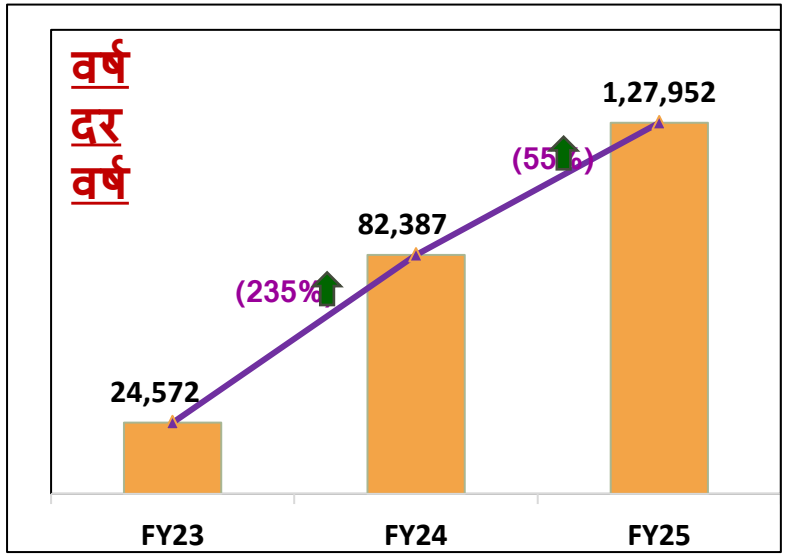


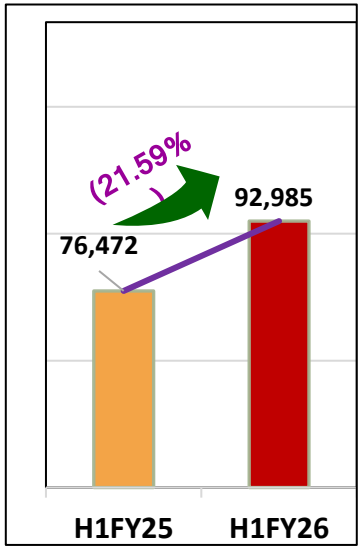


## लोन संवितरण ( करोड़ रुपये में)

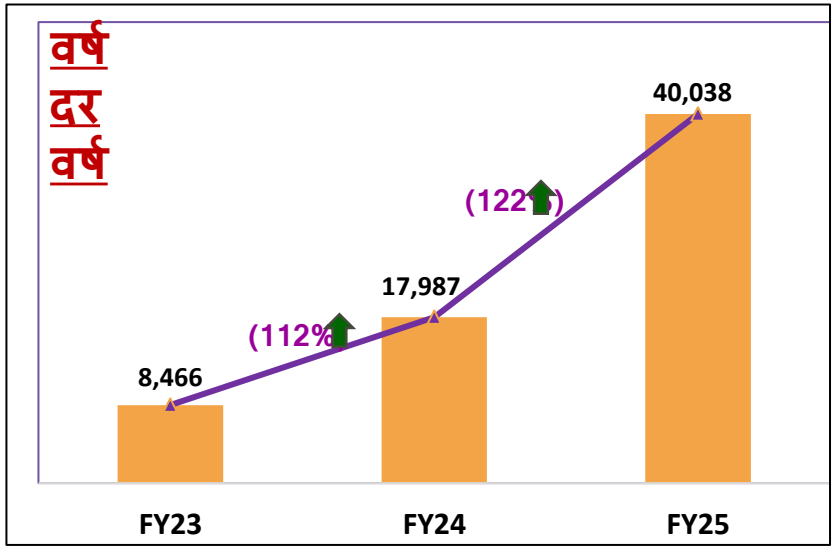


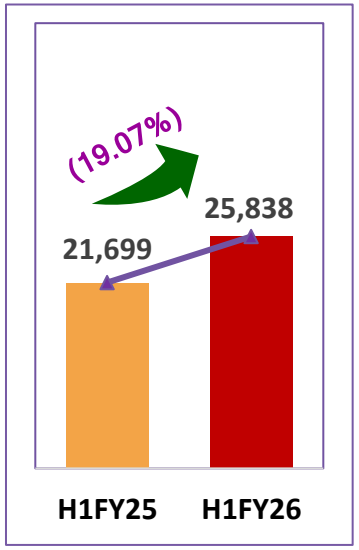


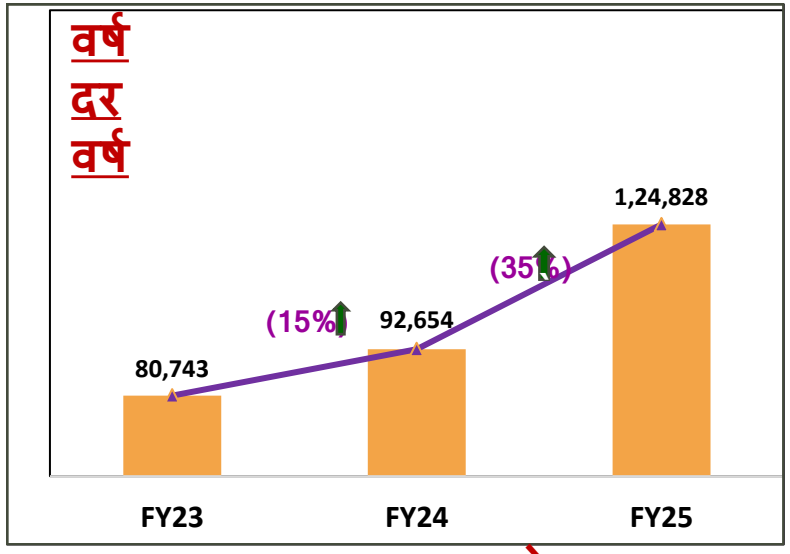


## बकाया लोन ( करोड़ रुपये में)

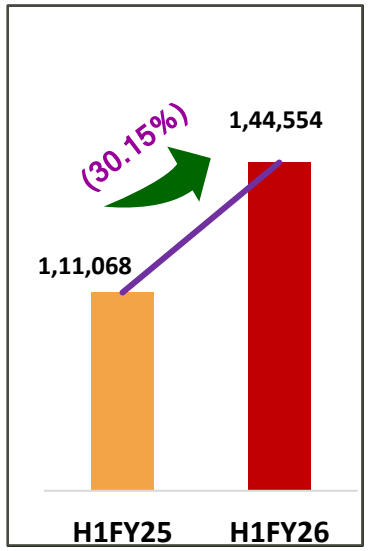


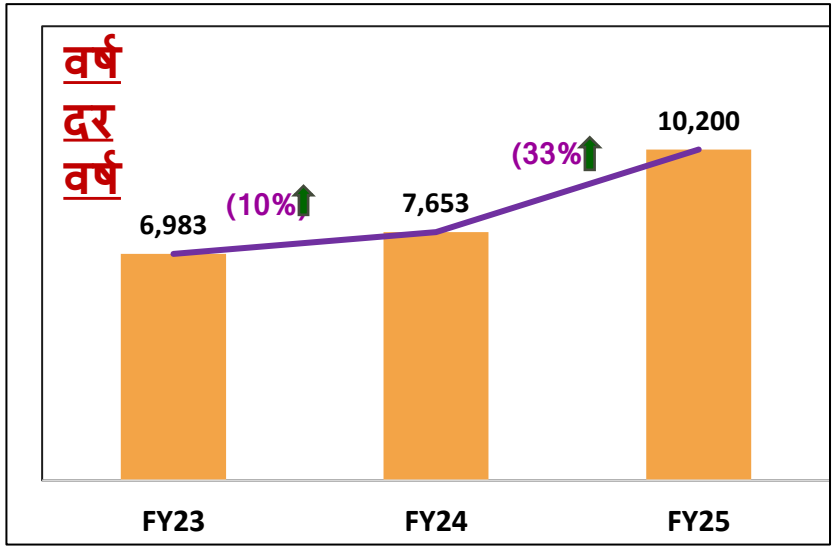


## ब्याज आय ( करोड़ रुपये में)

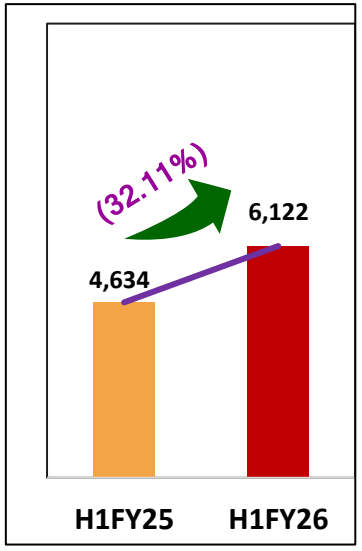

# ऋण पोर्टफोलियो

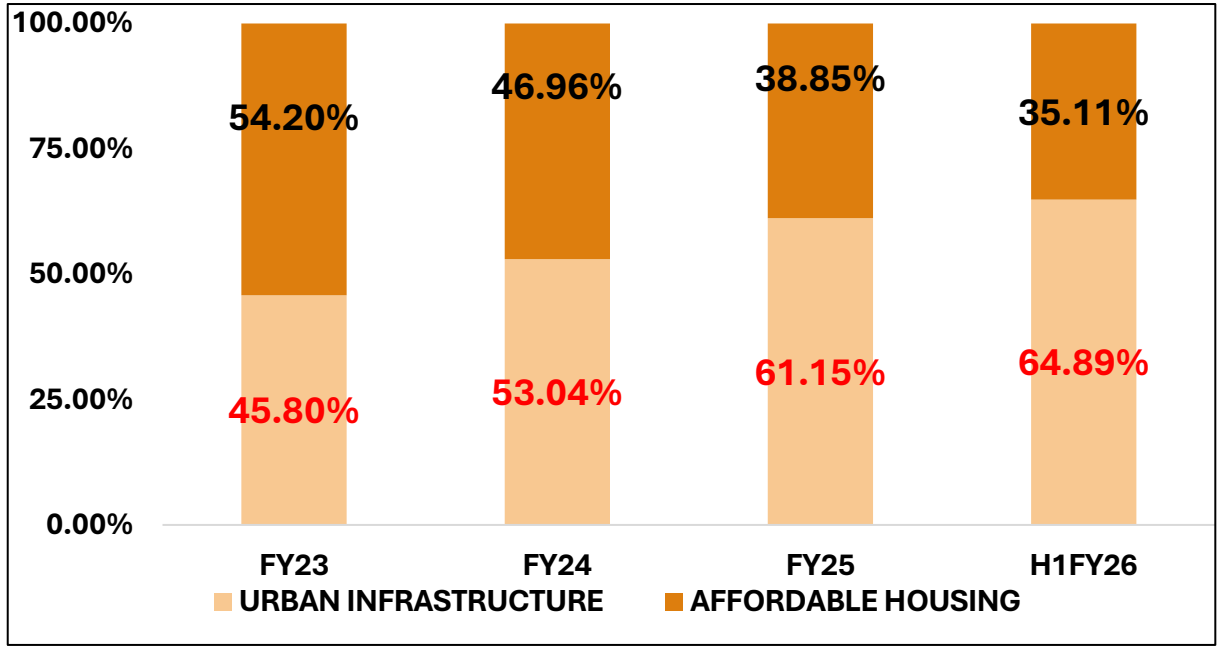


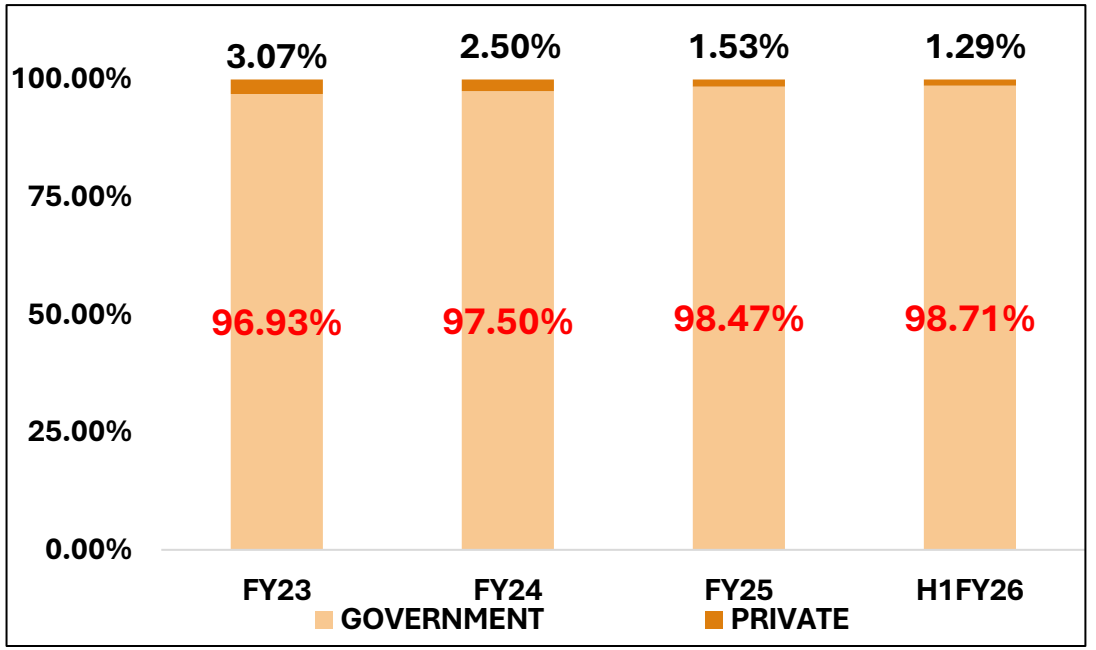


| विवरण ( करोड़ रुपये में ) | वित्त वर्ष 23 | वित्त वर्ष 24 | वित्त वर्ष 25 | एच 1 | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | वित्त वर्ष 25 | वित्त वर्ष 26 |
| शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर | 36,982 | 49,143 | **76,333** | 66,857 | **93,806** |
| किफायती आवास | 43,761 | 43,511 | **48,495** | 44,211 | **50,748** |
| कुल | **80,743** | **92,654** | **1,24,828** | **1,11,068** | **1,44,554** |
| सरकार | 78,267 | 90,342 | **1,22,920** | 1,09,041 | **1,42,685** |
| निजी | 2,476 | 2,312 | **1,908** | 2,027 | **1,869** |

**पीएमएवाई 2.0 से किफायती हाउसिंग पोर्टफोलियो बढ़ेगा**

# वित्तीय प्रदर्शन पर एक नज़र

- उधार लेने वाली प्रोफ़ाइल
- संपत्ति की गुणवत्ता
- मुख्य वित्तीय प्रमुख बिंदु

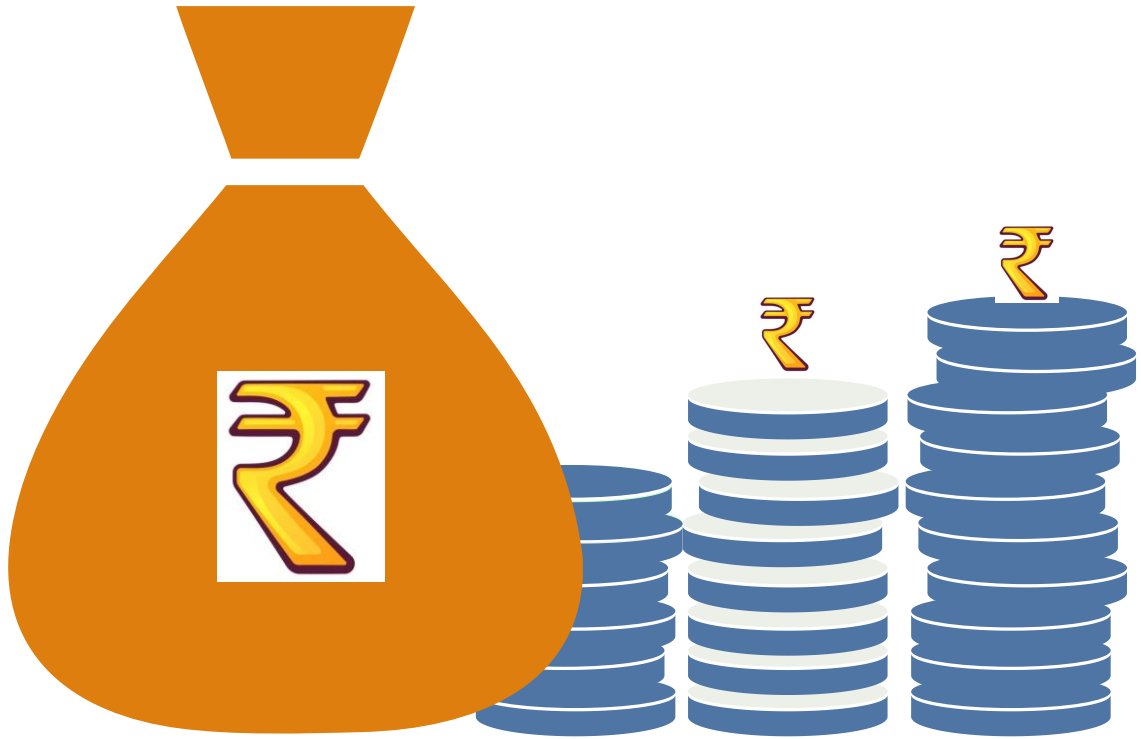

# बेहतर लायबिलिटी मैनेजमेंट – मार्जिन में बढ़ोतरी

(₹ करोड़ में)

| वर्ग | एच 1 | | | | 12एम | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | वित्त वर्ष 26 | औसत लागत | वित्त वर्ष 25 | औसत लागत | वित्त वर्ष 25 | औसत लागत | वित्त वर्ष 24 | औसत लागत |
| कर योग्य बांड | 8,400.50 | 6.77% | 5,786.00 | 7.30% | 14,768.50 | 7.28% | 1,500.00 | 7.48% |
| बैंक / एफआई ऋण | | | | | | | | |
| - लघु अवधि | 6,874.00 | 5.79% | 5,165.20 | 7.20% | 4,555.68 | 7.21% | 6,654.56 | 7.32% |
| - मध्यम अवधि | 14,092.00 | 6.44% | 9,291.00 | 7.62% | 10,067.00 | 7.47% | 9,002.50 | 7.55% |
| - एफसीएनआर(बी) | - | - | 2,923.00 | 6.20% | 15,563.34 | 6.06% | 3,990.18 | 5.96% |
| विदेशी मुद्रा | 2,974.20 | 5.73% | 4,471.37 | 5.51% | 6,178.87 | 5.70% | 827.85 | 5.29% |
| कुल | 32,340.70 | 6.32% | 27,636.57 | 6.99% | 51,133.39 | 6.75% | 21,975.13 | 7.10% |

**वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में ₹32,340.70 करोड़ जुटाए, जबकि वित्त वर्ष 25 की इसी अवधि में यह राशि ₹27,636.57 करोड़ थी।**

# उधार प्रोफ़ाइल

(₹ करोड़ में)

| विवरण | वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही | उधार की औसत लागत | वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही | उधार की औसत लागत |
|---|---|---|---|---|
| **क. भारत सरकार के पूर्ण सेवा बांड** | 20,000.00 | 8.47% | 20,000.00 | 8.47% |
| **ख. अन्य** | | | | |
| कर मुक्त बांड | 12,221.38 | 8.05% | 12,372.38 | 8.04% |
| कर योग्य बांड* | 29,678.95 | 7.18% | 15,596.00 | 7.00% |
| | | | | |
| - लघु अवधि | 6,874.00 | 5.79% | 5,165.20 | 7.20% |
| - मध्यावधि | 33,347.91 | 6.49% | 27,480.63 | 7.50% |
| | | | | |
| - एफसीएनआर(बी) | 12,640.34 | 7.48% | 6,913.18 | 6.06% |
| - ईसीबी/ओडीए | 10,034.03 | 5.73% | 5,360.39 | 5.54% |
| एनएचबी/अन्य एफआई से पुनर्वित्त सहायता | 1,238.85 | 6.18% | 476.89 | 5.08% |
| **उप-योग (बी)** | **1,06,035.46** | **6.86%** | **73,364.67** | **7.17%** |
| **कुल योग (क+ख)** | **1,26,035.46** | **7.12%** | **93,364.67** | **7.45%** |

** इसमें कैपिटल गेन बॉन्ड शामिल हैं , जो 7-मई-2025 को लॉन्च किए गए।*

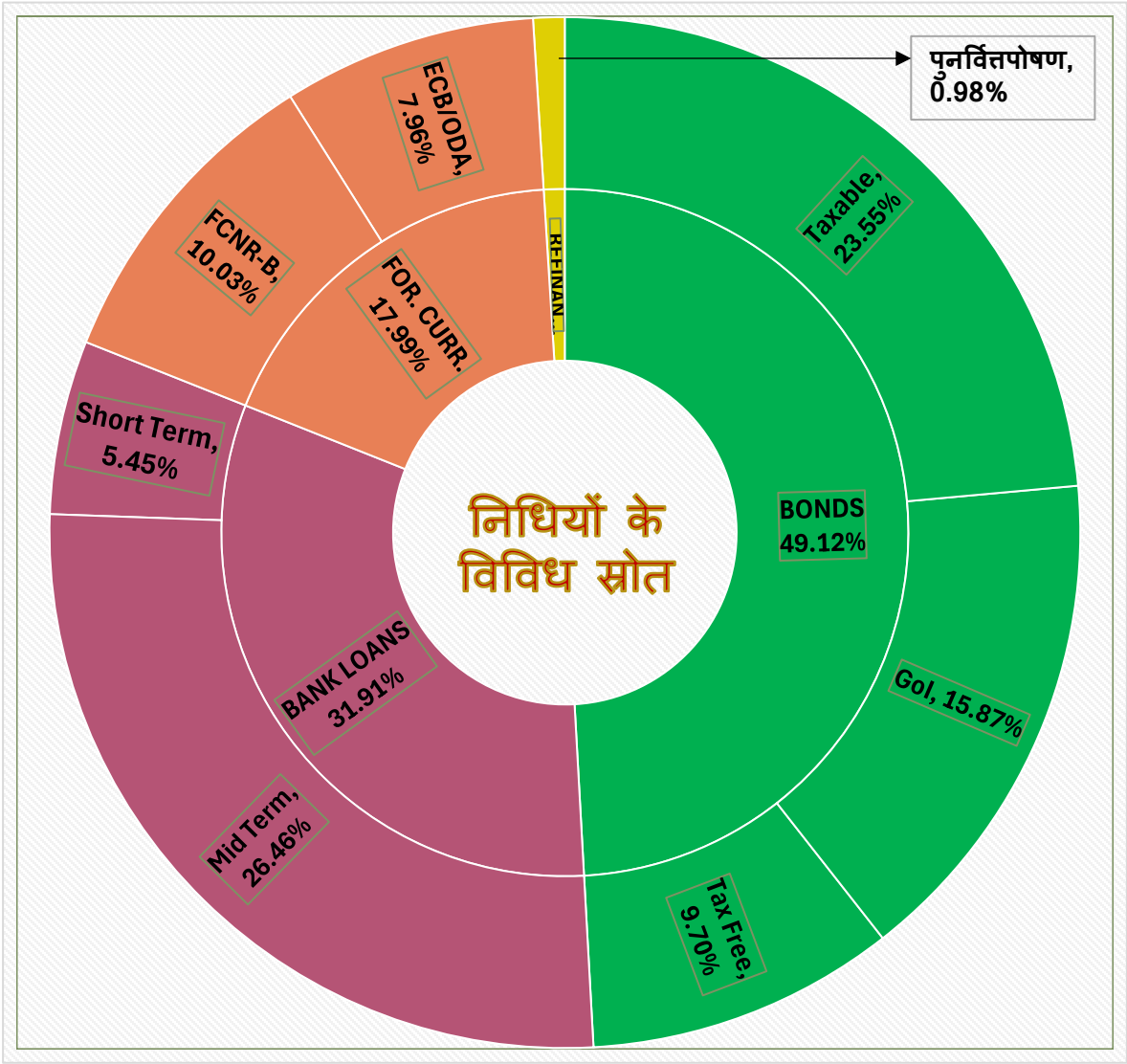


बिज़नेस ग्रोथ को पूरा करने के लिए इंटरनेशनल और डोमेस्टिक सोर्स से फंडिंग के कई सोर्स तक एक्सेस।

# लागत अनुकूलन के प्रयास

- एएलएम प्रोफ़ाइल के आधार पर, डोमेस्टिक और इंटरनेशनल, दोनों तरह के अलग-अलग सोर्स से **उधार का जुडिसियस मिक्स।**
- मौजूदा कम ब्याज दर व्यवस्था का फ़ायदा उठाने के लिए घरेलू उधार में स्ट्रेटेजिक **बढ़ोतरी ।**
- **स्थापित अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति - 5 वर्ष की अवधि के लिए** ¥ 174 बिलियन ( ₹ 9,980.92 करोड़) का ईसीबी उधार @ 5.73%।
- यूएसडी / यूरो / येन लोन/बॉन्ड जुटाने की संभावना सहित, **अलग-अलग जगहों पर** खोज करना ।
- इंफ्रा डेवलपमेंट के लिए **मल्टीलेटरल फंडिंग पार्टनरशिप।**
- पहली बॉन्ड पेशकश के ज़रिए इंटरनेशनल कैपिटल मार्केट से फंड जुटाने के लिए
- सही लेवल पर हेज/प्रोटेक्शन के साथ करेंसी रिस्क से निपटने के लिए **इंटरनल कंट्रोल सिस्टम को** मज़बूत करना
- **54ईसी कैपिटल गेन बॉन्ड के ज़रिए फंड जुटाना**

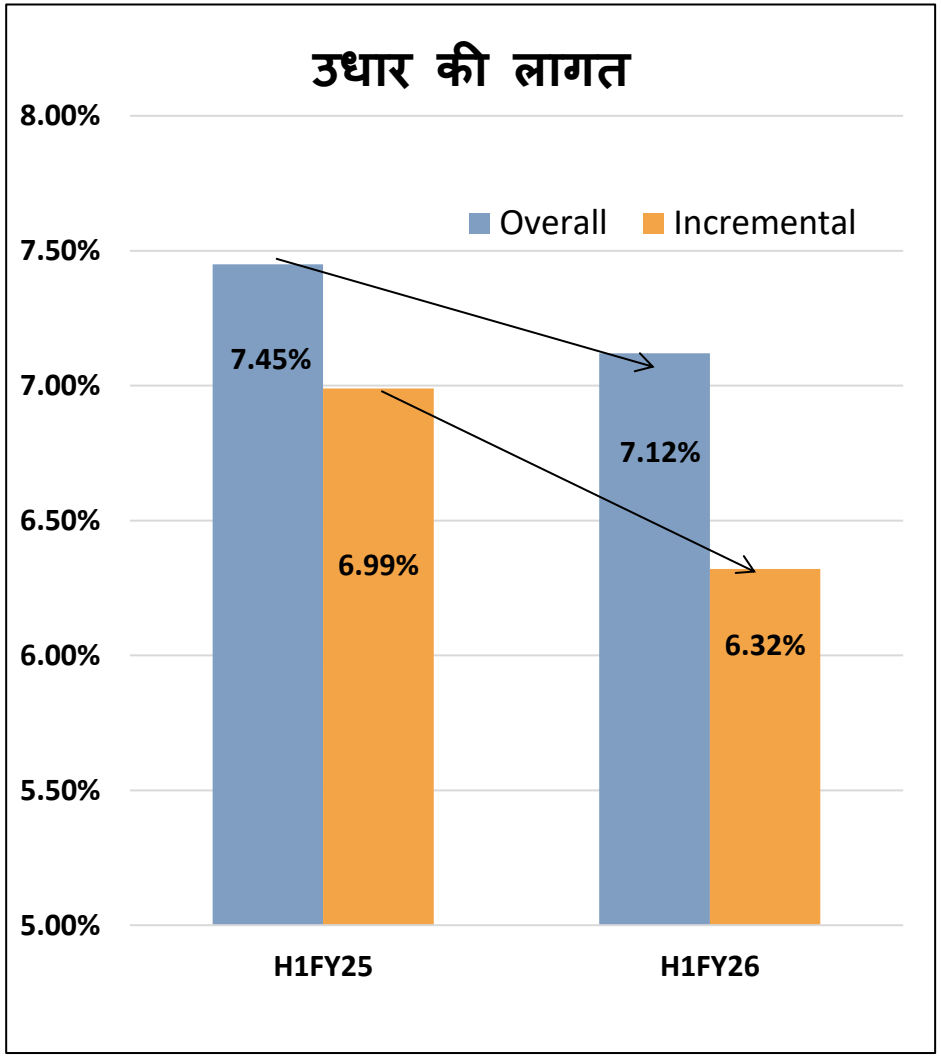

# बेहतरीन एसेट क्वालिटी – एक प्रतिस्पर्धी बढ़त

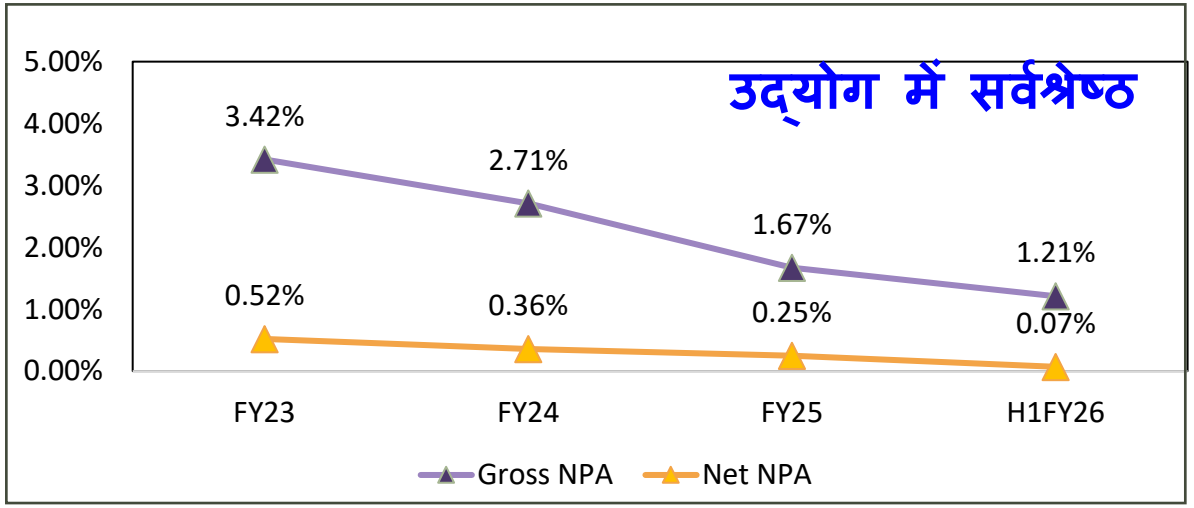




## पर्याप्त प्रावधान कवरेज अनुपात (%) [1]

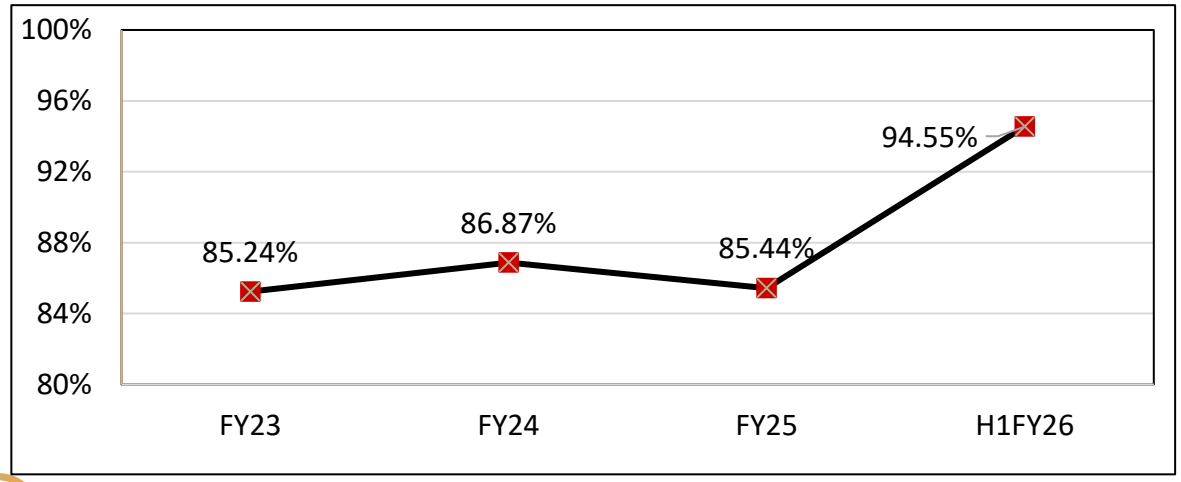

1. प्रोविज़न कवरेज रेश्यो एनपीए लोन के खिलाफ़ बनाए गए प्रोविज़न के रेश्यो को दिखाता है




- **रोबस्ट मूल्यांकन और निगरानी मैकेनिज्म**
- **नीतियों और प्रक्रियाओं की समय-समय पर समीक्षा** - सर्वोत्तम मार्किट प्रैक्टिसेज के अनुरूप
- **सरकार और उसकी एजेंसियों को लोन** : लोन बुक का 98.71% हिस्सा सरकार और उसकी एजेंसियों को दिए गए लोन का है।
- **सरकारी गारंटी वाले लोन** : ज़्यादातर लोन राज्य सरकार की गारंटी से मिलते हैं।

स्थिर.. केंद्रित.. लगभग पहुँच ही गए



शून्य एनएनपीए

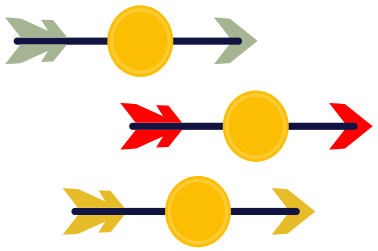

# क्रेडिट इम्पेयर्ड एसेट्स – रिज़ॉल्यूशन/रिकवरी स्टेटस

**कुल एनपीए ₹ 1750.60 करोड़, शुद्ध एनपीए ₹ 95.39 करोड़, प्रावधान कवरेज 94.55 %**

## कंसोर्टियम परियोजनाएं

- ₹1,157.11 करोड़
- खातों की संख्या 08
- प्रावधान किया गया – 100%

### एनसीएलटी प्रस्ताव के तहत कंसोर्टियम

- ₹1122.13 करोड़
- 05 खातों की संख्या
- प्रावधान किया गया – 100%

### एनसीएलटी के बाहर (कंसोर्टियम परियोजनाएं)

- ₹34.98 करोड़
- 03 खातों की संख्या
- प्रावधान किया गया – 100%

## गैर-संघीय परियोजनाएँ

### एनसीएलटी

- ₹29.78 करोड़
- 02 खातों की संख्या
- प्रावधान किया गया – 100%

### मुकदमा दायर मामले/डीआरटी

- ₹404.19 करोड़
- टॉप 10: ₹ 280.12 करोड़ (69.30%)
- प्रावधान किया गया – 100%

- H1FY26 के दौरान 6 लंबे समय से लंबित एनपीए खाते का समाधान किया गया - ₹311.76 करोड़ और 7 एनपीए खाते तकनीकी रूप से बट्टे खाते में डाले गए - ₹12.94 करोड़।
- NPA अकाउंट्स से ₹338.72 Cr की रिकवरी की गई है, जिसमें 4 सरकारी एजेंसियों से ₹330.70 Cr की रिकवरी भी शामिल है।

# मुख्य वित्तीय हाइलाइट्स (H1FY26 बनाम H1FY25)

## शुद्ध लाभ

₹ 1,340.06 करोड़.
बनाम
₹ 1,246.37 करोड़.
(7.51 %↑)

## स्वीकृतियां

₹ 92,985 करोड़.
बनाम
₹ 76,472 करोड़.
(21.59%↑)

## संवितरण

25,838 करोड़

## सीआरएआर

38.03%

*भविष्य में ग्रोथ के लिए अच्छी तरह से कैपिटलाइज़्ड*

## ऋण पुस्तिका

1,44,554 करोड़ की अब तक की सबसे अधिक ऋण पुस्तिका ।

(30%↑)

## प्रचालन आय

₹ 6,156.34 करोड़.
बनाम
₹ 4,706.07 करोड़.
( 30.81%↑ )

## संपत्ति गुणवत्ता

जीएनपीए: 1.21%
एनएनपीए: 0.07%

*इंडस्ट्री में सबसे अच्छे में से एक*

## प्रावधान कवरेज अनुपात

94.55%

*स्ट्रोंग जोखिम सुरक्षा*

**अब तक का सर्वाधिक H1**

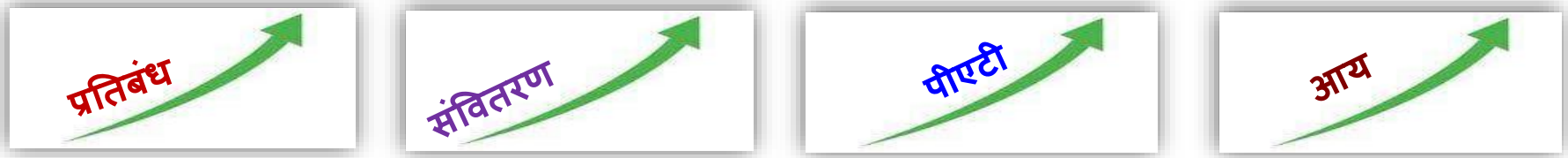

# लाभ और हानि का स्टैंडअलोन विवरण

( ₹ करोड़ में)

| विवरण | दूसरी तिमाही | | पहली छमाही | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | वित्त वर्ष 26 (समीक्षित) | वित्त वर्ष 25 (समीक्षित) | वित्त वर्ष 26 (समीक्षित) | वित्त वर्ष 25 (समीक्षित) | वित्त वर्ष 25 (लेखापरीक्षित) | वित्त वर्ष 24 (लेखापरीक्षित) |
| **आय:** | | | | | | |
| - प्रचालन से राजस्व | 3,219.03 | 2,517.72 | 6,156.34 | 4,706.07 | 10,311.30 | 7,784.29 |
| - अन्य आय | 31.99 | 8.42 | 40.15 | 17.26 | 37.09 | 163.81 |
| **कुल आय (1)** | 3,251.02 | 2,526.14 | 6,196.49 | 4,723.33 | 10,348.39 | 7,948.10 |
| **खर्च:** | | | | | | |
| - वित्तीय लागत | 2,212.62 | 1,662.02 | 4,302.09 | 3,125.85 | 6,750.11 | 4,963.94 |
| - अन्य लागत | 100.68 | 97.23 | 202.40 | 164.58 | 372.11 | 348.81 |
| - वित्तीय साधनों की हानि | (16.99) | (233.15) | (119.95) | (251.84) | (410.50) | (208.09) |
| **कुल व्यय (2)** | 2,296.31 | 1,526.10 | 4,384.55 | 3,038.59 | 6,711.72 | 5,104.66 |
| **कर से पहले लाभ {3= (1-2)}** | 954.71 | 1,000.04 | 1,811.94 | 1,684.74 | 3, 636.67 | 2,843.44 |
| **कर व्यय (4)** | 244.88 | 311.42 | 471.88 | 438.37 | 927.52 | 726.70 |
| **कर के बाद शुद्ध लाभ {5 = (3-4)}** | 709.83 | 688.62 | 1,340.06 | 1,246.37 | 2709.15 | 2,116.74 |

# महत्वपूर्ण संकेतक

| विवरण | वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही | | वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही | | वित्त वर्ष 2025 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | ईबीआर सहित | ईबीआर को छोड़कर | ईबीआर सहित | ईबीआर को छोड़कर | ईबीआर सहित | ईबीआर को छोड़कर |
| लोन पोर्टफोलियो ( ₹ करोड़) | 1,44,554 | 1,24,554 | 1,11,068 | 91,068 | 1,24,828 | 1,04,828 |
| ऋण पर प्रतिफल (%) | 9.12% | 9.17% | 9.24% | 9.34% | 9.50% | 9.65% |
| कोष की लागत (%) | 7.04% | 6.75% | 7.46% | 7.15% | 7.44% | 7.15% |
| ब्याज प्रसार (%) | 2.08% | 2.42% | 1.78% | 2.19% | 2.06% | 2.49% |
| शुद्ध ब्याज मार्जिन (%) | 2.98% | 3.43% | 3.01% | 3.66% | 3.22% | 3.86% |

| विवरण | वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही | वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही | वित्त वर्ष 2025 |
|---|---|---|---|
| ब्याज कवरेज अनुपात (गुना) | 1.42 | 1.54 | 1.54 |
| ऋण इक्विटी अनुपात (गुना) | 6.98 | 5.45 | 5.97 |
| संपत्ति पर प्रतिफल (%) (वार्षिक) | 1.93 | 2.40 | 2.44 |
| इक्विटी पर रिटर्न (%) (वार्षिक) | 14.86% | 14.56 | 15.08 |
| नेट वर्थ ( ₹ करोड़) | 18,037.03 | 17,124.35 | 17,969.78 |
| औसत नेट वर्थ ( ₹ करोड़) | 18,003.41 | 17,198.94 | 17,292.04 |
| ₹ 10 | 90.10 | 85.54 | 89.76 |
| प्रति शेयर आय (ईपीएस-वार्षिक) ₹ में | 6.69 | 6.23 | 13.53 |

1. लोन पर यील्ड की गणना लोन एसेट्स पर ब्याज आय (NPA मामलों के सेटलमेंट पर प्राप्त ब्याज सहित) को औसत लोन एसेट्स से विभाजित करके की जाती है।
2. फंड की कॉस्ट को फाइनेंस कॉस्ट को एवरेज टोटल उधार से डिवाइड करके कैलकुलेट किया जाता है।
3. इंटरेस्ट स्प्रेड लोन पर यील्ड और फंड की कॉस्ट के बीच का अंतर है।
4. नेट इंटरेस्ट मार्जिन की गणना औसत इंटरेस्ट कमाने वाले एसेट्स द्वारा इंटरेस्ट कमाने वाले एसेट्स पर नेट इंटरेस्ट इनकम से की जाती है
5. इंटरेस्ट कवरेज रेश्यो की गणना इंटरेस्ट और टैक्स से पहले के अर्जन को फाइनेंस कॉस्ट से भाग देकर की जाती है।
6. टोटल डेट/नेट वर्थ (टोटल डेट प्रिंसिपल आउटस्टैंडिंग दिखाता है) को डिवाइड करके कैलकुलेट किया जाता है ।
7. इक्विटी पर रिटर्न की गणना उस अवधि के टैक्स के बाद के लाभ को उस अवधि के अंत में शेयरधारकों के फंड से विभाजित करके की जाती है, जिसे प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।
8. एवरेज एसेट्स पर रिटर्न (टैक्स के बाद) की गणना उस समय के PAT को एवरेज टोटल एसेट्स से भाग देकर की जाती है।

# परिवर्तनकारी कदम: हडको के पुनर्संस्थापन प्रयास

# 1. समर्पित शहरी निवेश विंडो का शुभारंभ

- बैंकेबल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के विकास में यूएलबी के लिए वन-स्टॉप एंड-टू-एंड सपोर्ट प्लेटफॉर्म
- क्षमता निर्माण और उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं की पहचान
- नए इंस्ट्रूमेंट्स, मल्टीलेटरल एजेंसियों, FIs, म्युनिसिपल बॉन्ड्स, FDIs, आदि के ज़रिए फाइनेंस पाने में फ़ीज़िबिलिटी स्टडीज़ और मदद।
- यूएलबी को उनकी फाइनेंशियल क्षमता और क्रेडिट योग्यता मजबूत करने में मदद करना
- शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए चैनल पार्टनर के तौर पर एसपीवी और राज्य एजेंसियों को डेवलप करना

**क्षमता वृद्धि** | **बैंक योग्य परियोजनाओं का विकास** | **निवेश सुविधा** | **वित्तीय संरचना**

अधिक जानने के लिए स्कैन करें

# 2. अर्बन चैलेंज फंड में आशाजनक भूमिका

- कुल कॉर्पस ₹ 1 लाख करोड़
- शहरी स्थानीय निकायों में वित्तीय और संस्थागत सुधारों को आगे बढ़ाएं
- बैंकेबल प्रोजेक्ट कॉस्ट का 25% तक फाइनेंस, जिसमें कम से कम 50% बॉन्ड, बैंक लोन या पीपीपी के माध्यम से फंड किया जाएगा।
- 2025-26 के लिए ₹ 10,000 करोड़ आबंटित।

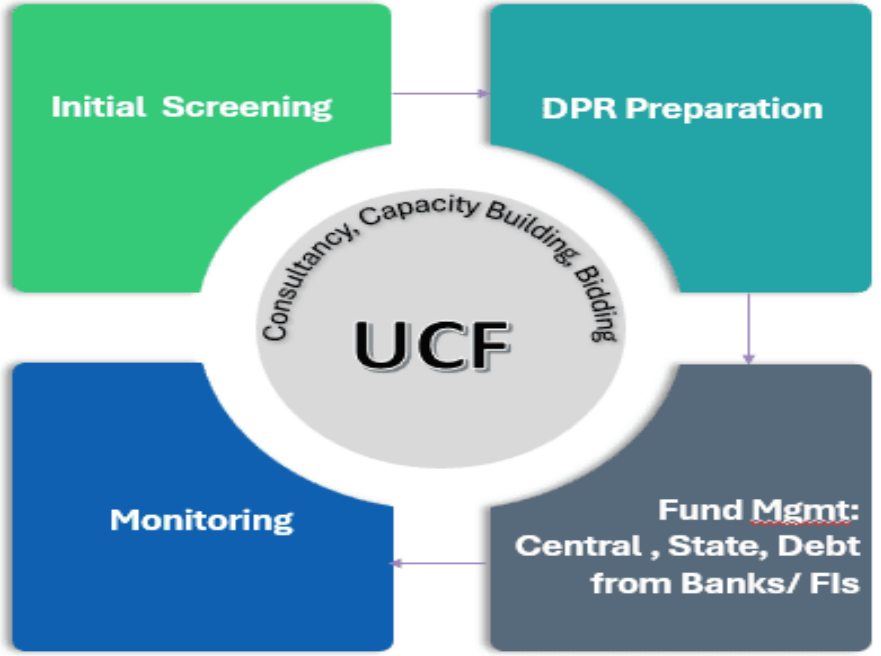


# 3. क्रेडिट वृद्धि पहल: अमृत 2.0

- छोटे यूएलबी (आबादी <1 लाख) में फाइनेंशियल आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना
- एमओएचयूए ने ₹300 करोड़ के फंड के लिए क्रेडिट गारंटी फंड मैनेजर के तौर पर नोटिफाई किया
- राज्यों/शहरी स्थानीय निकायों को बैंकेबल प्रोजेक्ट्स की पहचान करने और उन्हें लागू करने में मदद देना

# 4. प्राइवेट सेक्टर प्रोजेक्ट फाइनेंस डिवीजन का शुभारंभ

- प्राइवेट सेक्टर प्रोजेक्ट्स के लिए लोन देने का प्रोसेस शुरू किया गया।
- बोर्ड ने इन सेक्टर्स में फंडिंग के लिए गाइडलाइंस को मंज़ूरी दी:

रियल एस्टेट

सड़कें

समुद्री बंदरगाह*

एयरपोर्ट

ऊर्जा

- उद्देश्य: विकसित भारत के विज़न को प्राप्त करने के लिए ज़रूरी महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में फंडिंग की कमी को पूरा करने की प्रयासों में मदद करना।

* *विचाराधीन*

# सेक्टर आउटलुक और अवसर

## 2030 तक 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

## और

## विकसित भारत @ 2047

# अगले पांच वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च 1.6 गुना बढ़ने की उम्मीद

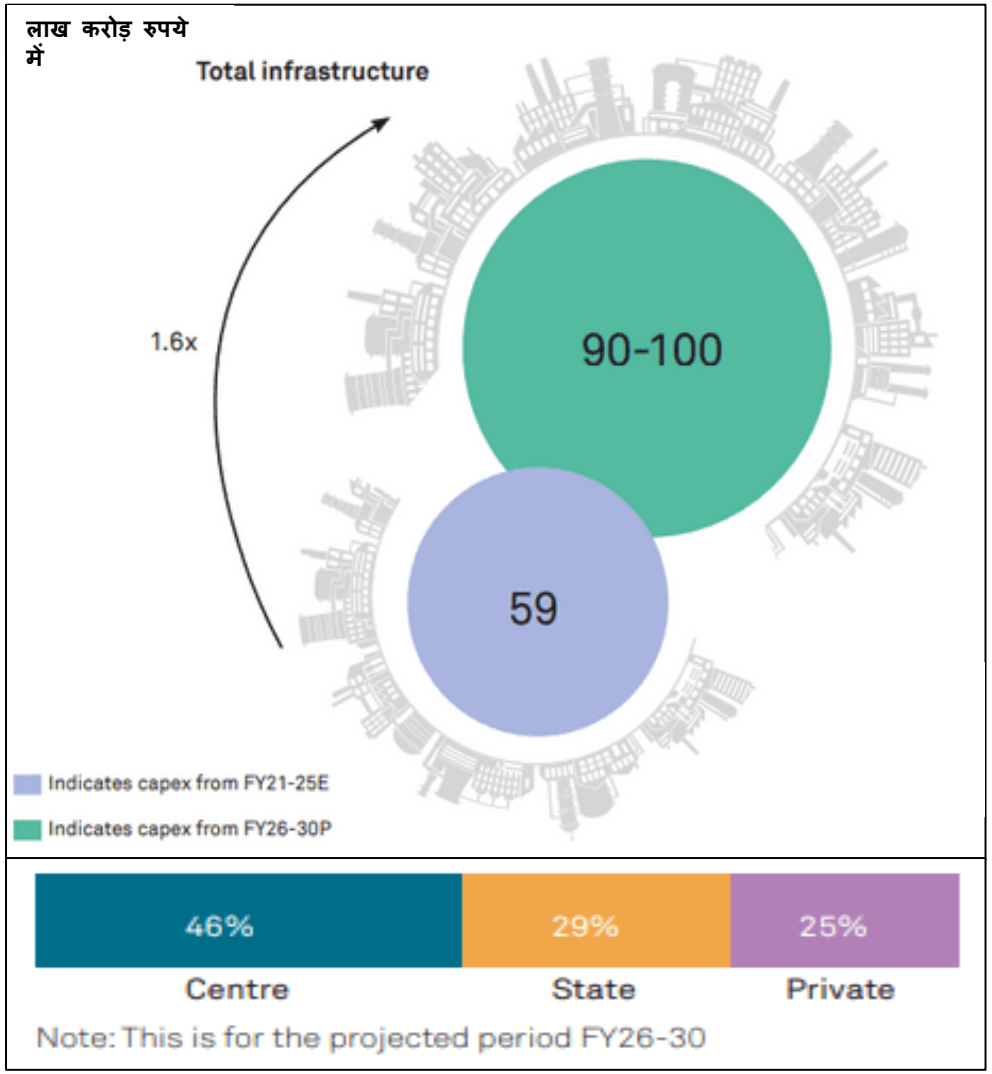


स्रोत: CRISIL इंटेलिजेंस रिपोर्ट 2025

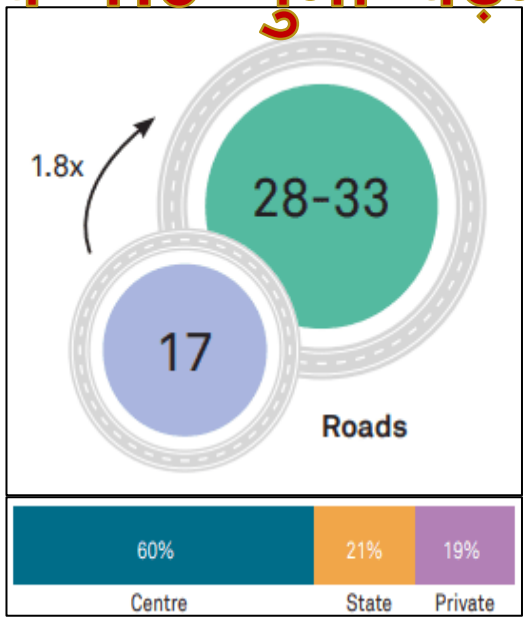


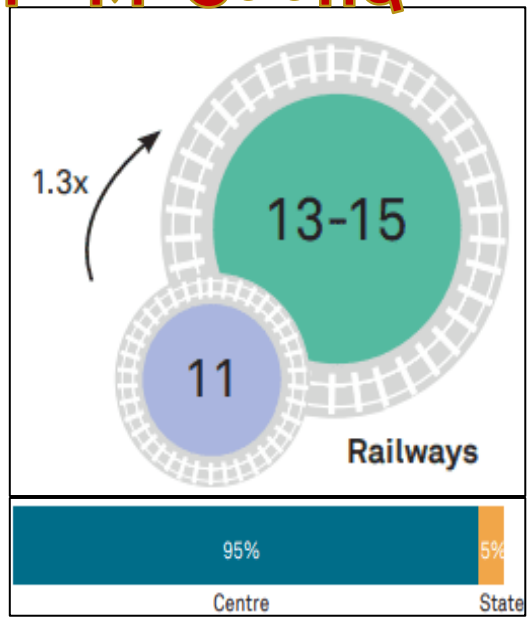


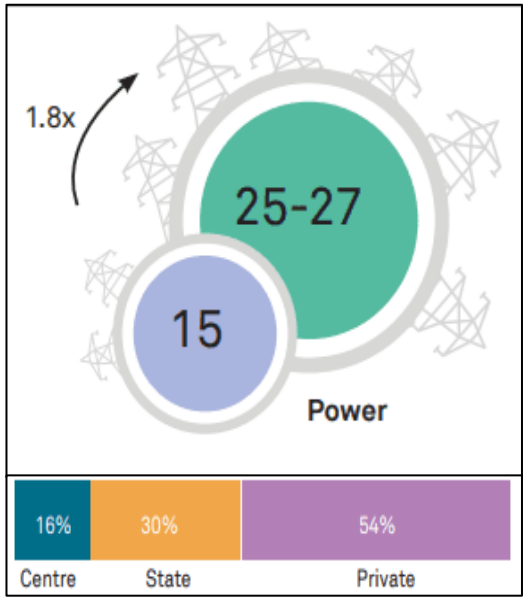


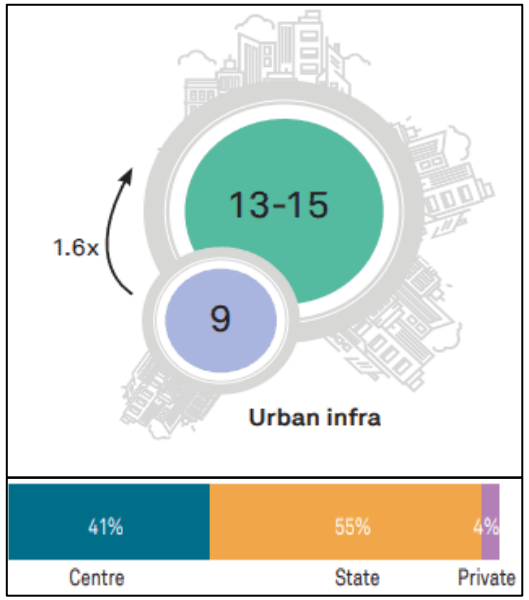

# हडको की उभरती भूमिका – विकास के लिए प्रेरक

2030 तक $10 ट्रिलियन की इकॉनमी और 2047 तक विकसित भारत की ओर बढ़ने के सरकार के विज़न से **इंफ्रा डेवलपमेंट के लिए फंडिंग की भारी मांग पैदा** होने वाली है, जिसमें ये पहल शामिल हैं:

**भूमि अधिग्रहण, एकीकृत टाउनशिप और औद्योगिक गलियारे**

**गतिशीलता – मेट्रो, एक्सप्रेसवे आदि।**

**पीएमएवाई 2.0 में इंडस्ट्रियल वर्कर्स के लिए हाउसिंग शामिल है**

**स्मार्ट सिटीज, अमृत, जेजेएम, एसबीएम 2.0**

**स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, हरित इन्फ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा संक्रमण**

**बंदरगाह वित्तपोषण (बंदरगाह और हवाई अड्डा)**

- इंफ्रा प्रोजेक्ट्स के पूरे लैंडस्केप के लिए लोन देकर भारत सरकार के विजन को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा।
- प्राइवेट सेक्टर प्रोजेक्ट्स के लिए लोन देने का प्रोसेस शुरू किया गया।

# हडको द्वारा वित्तपोषित महत्वपूर्ण परियोजनाएँ

पूर्वांचल यूपीडा द्वारा एक्सप्रेसवे परियोजना

कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

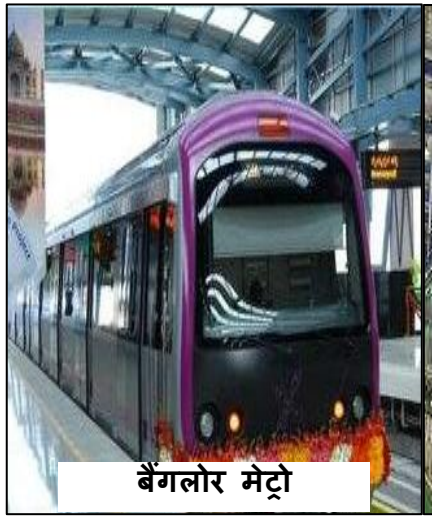

बैंगलोर मेट्रो

कोच्चि मेट्रो

इंटीग्रेटेड टाउनशिप, नलगोंडा, तेलंगाना

मल्टी मॉडल कॉरिडोर विरार से अलीबाग , मुंबई

समृद्धि महामार्ग नागपुर मुंबई एक्सप्रेसवे

# हडको द्वारा वित्तपोषित महत्वपूर्ण परियोजनाएँ

नया टाउनशिप विकास - अमरावती राजधानी आंध्र प्रदेश: 11,000 करोड़ रुपये।

एपीटीआईडीसीओ आवास योजना पीएमएवाई(यू), आंध्र प्रदेश: 4,450 करोड़ रुपये।

राजस्थान में "जल जीवन मिशन (जेजेएम)" और "अमृत" के अंतर्गत 15,150 करोड़ रुपये

पेयजल आपूर्ति, तेलंगाना - 2944 करोड़ रुपये

राजीव गांधी महिला एवं बाल अस्पताल, पुडुचेरी

फीडर सोलराइजेशन प्रोजेक्ट, महाराष्ट्र

# हडको द्वारा वित्तपोषित महत्वपूर्ण परियोजनाएँ

अस्पताल के इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, सोलापुर महाराष्ट्र

नागपुर मुंबई एक्सप्रेसवे, महाराष्ट्र

चार्जिंग स्टेशन – तेलंगाना

बेंगलुरु ट्विन टनल कॉरिडोर परियोजना

पर्यटन इन्फ्रास्ट्रक्चर, राजस्थान

# विकसित भारत की मजबूत नींव का निर्माण

अगले 5 सालों में ₹1.5 लाख करोड़ की फाइनेंशियल मदद के लिए MMRDA के साथ MoU

अगले 5 सालों में ₹1 लाख करोड़ की फाइनेंशियल मदद के लिए MP सरकार के साथ MoU

राजस्थान के साथ हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए ₹ 1 लाख करोड़ का MoU

भारत के बंदरगाह इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये के MoU

नई राज्य राजधानी के निर्माण के लिए CRDA के साथ ₹11,000 करोड़ का ऋण समझौता

वित्तीय सहायता के लिए NMRDA के साथ ₹11,300 करोड़ का समझौता ज्ञापन

# विकसित भारत की मजबूत नींव का निर्माण

इष्टतम लागत वाले संसाधन प्राप्त करने के लिए ईसीबी की तीसरी ट्रांच

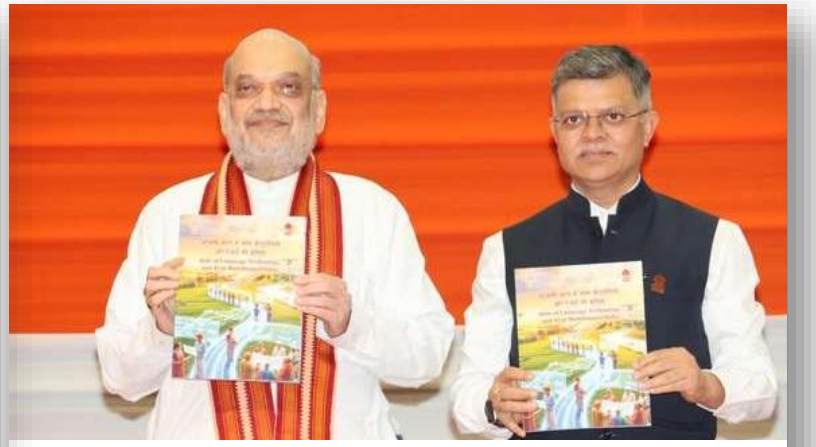

गृह मंत्रालय और हडको द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित हिंदी पुस्तक का विमोचन

हडको 54ईसी कैपिटल गेन टैक्स छूट बॉन्ड लॉन्च

हडको की प्रॉपर्टीज़ को मिलकर डेवलप करने के लिए NBCC के साथ MoU साइन किया गया

NAREDCO इवेंट के दौरान रियल एस्टेट में प्राइवेट सेक्टर फंडिंग की शुरुआत

शहरी विकास में बदलाव लाने और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए IIM, कलकत्ता के साथ MoU

# प्रेरक सम्मान

- 17वां बीएमएल मुंजल बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड
- ETNOW इंफ्रा फोकस अवार्ड्स 2024: इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर (हाउसिंग)
- गवर्नेंस नाउ 11वां PSU अवार्ड्स: PSU और CSR लीडरशिप
- WCDM अवार्ड 2024: 'रेस्क्यू और रिहैबिलिटेशन में गुड प्रैक्टिसेज'
- पृथ्वी अवॉर्ड 2024: सस्टेनेबल डेवलपमेंट और सीएसार पहल

- एंटरप्राइज़ एप्लिकेशन के लिए PSE एक्सीलेंस अवार्ड 2025
- गवर्नेंस नाउ-10वां PSU IT अवॉर्ड: सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में एक्सीलेंस
- एसेट ट्रिपल ए अवार्ड्स: साउथ एशिया में बेस्ट सस्टेनेबिलिटी लोन (ईएसजी)
- राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2024-25
- नराकास दिल्ली उपक्रम- 2: उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु

# धन्यवाद

विकसित भारत के लिए वित्तपोषण

**मुख्यालय:**
हडको भवन, कोर-7-ए,
इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110 003